भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या '262

जिसका उत्तर 11 जुलाई, 2019 को दिया जाना है।

.....

पानी की कमी

***262. श्री शंकर लालवानी:**
श्री पी. रविन्द्रनाथ कुमार:

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या विभिन्न राज्यों में विगत कुछ वर्षों के दौरान जल स्तर काफी कम हुआ है और यदि हां, तो राज्य-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा जलापूर्ति को बनाये रखने हेतु किये गये प्रयासों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या वर्तमान में पानी की कमी पूरी करने हेतु कोई विशेष कदम उठाये जाने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने ऐसे क्षेत्रों को अभिज्ञात करने हेतु कोई तंत्र स्थापित/विकसित किया है जहां भूजल स्तर में खतरनाक स्तर पर गिरावट हो रही है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा सरकार द्वारा देशभर में भूजल के गिरते स्तर को रोकने और भूजल के लिये जल पुनर्भरण प्रणाली विकसित करने हेतु क्या सुधारात्मक उपाय किये गये हैं/क्या कदम उठाये गये हैं/उठाये जाने का विचार है?

उत्तर

जल शक्ति मंत्री (श्री गजेंद्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ) विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

माननीय सांसद श्री शंकर लालवानी और श्री पी. रविन्द्रनाथ कुमार द्वारा दिनांक 11.07.2019 को लोक सभा में "पानी की कमी" के संबंध में पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या *262 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) से (ङ) विभिन्न उपयोगों के लिए स्वच्छ जल की बढ़ती मांग, वर्षा की अनियमितता, जनसंख्या वृद्धि, औद्योगीकरण तथा शहरीकरण के कारण होने वाली निरंतर जल निकासी के कारण देश के विभिन्न भागों के भूजल स्तर में गिरावट आ रही है।

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड द्वारा प्रेक्षण कूपों के नेटवर्क के माध्यम से पूरे देश में क्षेत्रीय स्तर पर आवधिक रूप से भूजल की मॉनीटरिंग की जा रही है। भूजल स्तर में गिरावट का दीर्घावधि आधार पर आकलन करने के लिए, सीजीडब्ल्यूबी द्वारा 2019 में, मानसून-पूर्व संग्रहित किए गए मानसून पूर्व जल स्तर आंकड़ों की तुलना दशकीय औसत (2009-2018) से की गई है। जल स्तर आंकड़ों के विश्लेषण (**अनुलग्नक**) से ज्ञात पड़ता है कि मॉनीटरिंग किए गए लगभग 61% कूपों के भूजल स्तर में गिरावट आयी है।

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) तथा राज्य सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से देश के सक्रिय भूजल संसाधनों का आवधिक रूप से आकलन किया जाता है। वर्ष 2017 में किए गए आकलन के अनुसार, देश के कुल 6881 आकलन इकाइयों (ब्लॉक/तालुका/मंडल/वाटरशेड/फिरका) में से 17 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में 1186 इकाइयों को "अति-दोहित" के रूप में वर्गीकृत किया गया है जहां मौजूदा वार्षिक भूजल निकासी, वार्षिक निकासी योग्य भूजल संसाधन से अधिक है।

माननीय प्रधान मंत्री ने जल संरक्षण एवं संचयन के लिए सभी समुचित उपायों को अपनाने तथा जल संरक्षण को एक जन-आंदोलन बनाए जाने का आह्वाहन करते हुए दिनांक 08.06.2019 को देश के सभी सरपंचों को एक पत्र लिखा है।

भारत सरकार द्वारा जल शक्ति अभियान आरंभ किया गया है जोकि एक ऐसा समयबद्ध अभियान है जिसमें जल की कमी वाले ब्लॉकों में भूजल सहित जल की उपलब्धता बढ़ाने के कार्य को मिशन मोड में किया जाता है।

केन्द्र सरका , जल संरक्षण एवं संचयन से जुड़े निर्माण कार्यों को मुख्यतः महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम (एमजीएनआरईजीएस), प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना-वाटरशेड विकास घटक (पीएमकेएसवाई-डब्ल्यूडीसी) तथा पीएमकेएसवाई-प्रति बूंद अधिक फसल के माध्यम से समर्थन प्रदान करती है। विगत तीन वर्षों में इस स्कीम के अंतर्गत 23,435.67 करोड़ रूपए की लागत से 17,56,207 जल संरक्षण एवं पुनर्भरण अवसंरचनाओं का निर्माण किया गया है।

जल, राज्य का विषय होने के कारण, देश में भूजल के कृत्रिम पुनर्भरण तथा संरक्षण सहित जल प्रबंधन से जुड़ी पहलकदमियां प्राथमिक रूप से राज्य की जिम्मेदारी है। फिर भी, केन्द्र सरकार द्वारा देश : भूजल स्तर के गिरावट को नियंत्रित करने और भूजल के पुनर्भरण हेतु भूजल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन के लिए दीर्घावधि आधार पर अहम नीतियां तैयार करने की पहल की गई है, जिसका विवरण http://mowr.gov.in/sites/default/files/Steps_to_control_water_depletion_Jun2019.pdf पर उपलब्ध है।

*****

अनुलग्नक

"पानी की कमी" विषय पर दिनांक 11.07.2019 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न संख्या *262 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

राज्य-वार दशकीय भूजल स्तर विचलन औसत [मानसून-पूर्व (2009 से 2018)] तथा मानसून-पूर्व 2019 का विवरण

क्र.□□	राज्य का नाम	विश्लेषित कुओं की संख्या	बढ़ोत्तरी		गिरावट		□□ □□ परिवर्तन नहीं दर्शाने □□□□□□	
			संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%
1	आंध्र प्रदेश	714	194	27	518	73	2	0.3
2	अरुणाचल प्रदेश	18	2	11	16	89	0	0.0
3	□□□	230	111	48	119	52	0	0.0
4	बिहार	619	195	32	419	68	5	0.8
5	□□□□	12	4	33	8	67	0	0.0
6	छत्तीसगढ़	602	237	39	352	58	13	2.2
7	दादरा और नगर हवेली	18	2	11	16	89	0	0.0
8	दमन और दीव	11	5	45	5	45	1	9.1
9	दिल्ली	73	36	49	37	51	0	0.0
10	□□□	64	18	28	46	72	0	0.0
11	□□□□	657	244	37	413	63	0	0.0
12	हरिय□□□	279	94	34	184	66	1	0.4
13	हिमाचल प्रदेश	101	81	80	20	20	0	0.0
14	जम्मू और कश्मीर	204	86	42	118	58	0	0.0
15	□□□□□	271	103	38	168	62	0	0.0
16	कर्नाटक	1098	217	20	881	80	0	0.0
17	□□□	1427	661	46	762	53	4	0.3
18	मध्य प्रदेश	1099	532	48	567	52	0	0.0
19	महाराष्ट्र	1645	401	24	1241	75	3	0.2
20	□□□□	53	39	74	14	26	0	0.0
21	ओड़िशा	1064	730	69	334	31	0	0.0
22	पांडिचेरी	6	0	0	6	100	0	0.0
23	□□□	245	74	30	170	69	1	0.4
24	राजस्थान	893	301	34	588	66	4	0.4
25	तमिलनाडु	612	177	29	318	52	117	19.1
26	□□□□□	557	188	34	366	66	3	0.5
27	त्रिपुरा	75	31	41	44	59	0	0.0
28	उत्तर प्रदेश	581	157	27	423	73	1	0.2
29	उत्तराखंड	42	15	36	27	64	0	0.0
30	पश्चिम बंगाल	358	178	50	177	49	3	0.8
□□□		**13628**	**5113**	**38**	**8357**	**61**	**158**	**1.2**